रामायण

दिल्ली के इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केन्द्र में रामायण विषय पर प्रदर्शनी लगाई गई। जिसमें शास्त्रीय, लोक संगीत के माध्यम से समकालीन संदर्भों में रामायण को प्रस्तुत का प्रदर्शन किया गया। इसके अलावा पांडुलिपियों, मूर्तियों, लघु चित्रकला, लकड़ी, कांस्य, पत्थर, टेराकोटा कला, शिल्प, वस्त्र, ऑडियो विजुअल और मल्टीमीडिया प्रस्तुतियों सहित पेंटिंग के माध्यम से रामायण प्रसंग को दर्शाया गया था। इस प्रदर्शनी को दार्शनिक अवधारणाओं को स्पष्ट करने के लिए विशेष रूप से डिजाइन की गी थी। प्रदर्शनी का मुज़्य आकर्षण काशी नरेश, बनारस और मूल रामलीला के संग्रह से प्रदर्शित दुनिया में रामनगर रामलीला का प्रदर्शन है, जिसे यहां प्रस्तुत किया था। पूरे आयोजन में देशभर में संग्रह रामायण के दुर्लभ प्रसंगों को रखा गया था। रामायण पर आधारित कार्यशाला भी आयोजित की गई। इस प्रदर्शनी में केन्द्रीय मंत्री सुश्री उमा भारती भी आई और उन्होंने आयोजन स्तल पर काफी देर बिताया।

भारत गीतमाला

दिल्ली में दीनदयाल शोध संस्थान एवं संस्कृति मंत्रालय द्वारा इंदिरा गांधी इन्डोर स्टेडियम में भारत गीतमाला का आयोजन किया गया। इसमें दस अलग-अलग भाषाओं के कलाकारों द्वारा अपनी कला का प्रदर्शन किया गया। सिंधी, बांग्ला, असमिया, पंजाबी, राजस्थानी, गुजराती, मराठी, कन्नड़, भोजपुरी, हिंदी के कलाकारों ने अपनी अदभुत प्रस्तुति दी। इस आयोजन में ऐसा प्रतीत हो रहा था जैसे पूरा भारत एक जगह एकत्र हो गया है। पंडित दीनदयाल उपाध्याय एवं श्रद्धेय नानाजी देशमुख के जन्म शताज़्दी वर्ष पर हुए इस आयोजन में दिल्ली के गणमान्य लोग शामिल हुए। जिसमें भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित शाह, केन्द्रीय संस्कृति राज्यमंत्री डा. महेश शर्मा प्रमुख थे।

शरदोत्सव

चित्रकूट में तीन दिन का शरदोत्सव का आयोजन हर वर्ष की भांति हुआ। राष्ट्रऋषि नानाजी के जन्मदिन पर शरद पूर्मिणा को होने वाले इस आयोजन का यह 12वां वर्ष रहा है। इस आयोजन में ग्रामीण अंचल के लोग बड़े उत्साह से शामिल होते हैं। आयोजन पारज़्परिक नृत्य एवं गायन

केन्द्रित द्वारा समारोह हुआ। इसमें मुज़्बई के सुप्रसिद्ध भजन गायक सुमित नागर एवं नानू गुर्जर की जोड़ी तथा मुज़्बई के प्रसिद्ध पार्श्वगायक अभिजीत भट्टाचार्य ने भज़्तिगीत प्रस्तुत किए। राजस्थान गीत, नर्मदा परिक्रमा पर नृत्य नाटिका की प्रस्तुति दी गई।